भारतीय मजदूर संघ
उत्तर प्रदेश

महामंत्री प्रतिवेदन

२९वाँ त्रैवार्षिक अधिवेशन

सरस्वती शिशु मन्दिर, नैनीताल रोड, बरेली

(दि० २ व ३ मार्च २००३)

प्रिय प्रतिनिधि बन्धुवो एवं बहनों

यह प्रतिवेदन रायबरेली नवम्बर २००० में सम्पन्न हुए २८वें त्रैवार्षिक अधिवेशन तथा बरेली में २ व ३ मार्च २००३ को हो रहे २९वें अधिवेशन के बीच ३ वर्षो का कार्यवृत्त हैं।

मुझे विश्वास हैं कि आप सब इसे पढ़ समझ सर्वसम्मति से स्वीकार करेगें।

बरेली २ व ३ मार्च २००३

भवदीय
देवनाथ सिंह
महामंत्री

आदरणीय अध्यक्ष जी, मा० हँसमुख भाई दबे राष्ट्रीय अध्यक्ष भा० म० सं, मुख्य अतिथि मा० धर्मपाल सिंह जी - श्रम राज्य मंत्री उ० प्र०, सरकार मा० संतोष गंगवार पेट्रोलियम राज्य मंत्री भारत सरकार, मा० राजेश अग्रवाल कर एवं निबंधन मंत्री उ० प्र० सरकार, मा० रामदास जी पाण्डेय राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रभारी उत्तर जोन, मंचासीन समस्त अधिकारी एवं पदाधिकारीगण, प्रदेश कार्य समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य गण तथा सम्माननीय समस्त आमंत्रित विशिष्ट अतिथिगण, पत्रकार बंधु, प्रतिनिधि बंधुओं एवं भगिनी।

भारतीय मजदूर संघ उ०प्र० के २६वें त्रैवार्षिक अधिवेशन के शुभ अवसर पर बरेली में आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। पिछली बार दि० ११ व १२ नवम्बर २००० को हम सभी रायबरेली में मिले थे। तब से अब तक देश की अनेक शीर्षस्थ विभूतियाँ, राजनेता, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता तथा भा० म० संघ के कार्य को अपने खून एवं पसीने से सीचने वाले अनेक तपोनिष्ठ कार्यकर्ता अपने बीच नहीं रहे। जिनमें महामहिम उपराष्ट्रपति श्री कृष्ण कान्त जी, लोक सभा अध्यक्ष श्री जी.एम.सी बालयोगी, राजमाता विजयराजे सिंधिया, स्वदेशी जागरण मंच के संयोजक एवं प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एम.जी. बोकरे सर्वपथं समादर मंच के प्रथम अध्यक्ष श्री जाल फिरोज गिमी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री माधव राव सिंधिया (कांग्रेस), श्री शिवमंगल सिंह सुमन, हरिवंशराय बच्चन (दोनो ही साहित्यकार), भा.म. संघ तमिलनाडू के पूर्व अध्यक्ष आर. निवासन, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह श्री शामलदा, प्रान्त शारीरिक प्रमुख द्विजेन्द्रडे, विभाग प्रचारक सुधाचन्द दत्त, जिला प्रचारक टी. एन. मारतन विद्याभारती के क्षेत्र संरक्षक कृष्णचन्द गाँधी, व्रज पान्त के पूर्व प्रान्त प्रचारक श्री कृष्ण चन्द्र दास महेश्वरी, तुलसीराम शर्मा (वि.हि.प.) डा बाबू लाल शर्मा प्रचारक (रायबरेली) भा० म० संघ के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री श्री `रास बिहारी मैत्र, श्री आर.एन. सिंह (वाराणसी) गौरी शंकर मिश्र (बरेली) रामकिशोर शर्मा (आगरा), ओम प्रकाश पाण्डेय (लखीमपुर), मुख्तार अहमद (अमरोहा), उमाशंकर खरे (गोरखपुर), शारदा प्रसाद सिंह (जौनपुर), विमल मेहरोत्रा एच.एम.एस. (कानपुर) अपनी सशक्त लेखनी से राष्ट्रीयता की सतत् अलख जगाने वाले दैनिक जागरण के सम्पादक नरेन्द्र मोहन, रा. स्वयं सेवक संघ के वरिष्ट प्रचारक स्वं चमन लाल अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला, अक्षर धाम मन्दिर गुजरात एवं रघुनाथ मंदिर जम्मू में आतंक वादियों द्वारा मारे गये तथा गोधरा काण्ड मे शहीद राम भक्तों आदि ज्ञात व अज्ञात सभी लोगों को हम अपनी भावभीनी श्रद्धाँजलि अर्पित करते हैं।

मित्रों! बरेली में हम इसके पूर्व भी दो बार अधिवेशन कर चुके हैं। उस समय अपने पूर्व अध्यक्ष स्व. ओम प्रकाश जी गौतम हमारे साथ थे। आज वे हमारे बीच नहीं हैं। उनकी स्मृतियाँ शेष है बरेली उनकी तपोभूमि एवं कर्मभूमि रही हैं। अथक परिश्रम एवं कष्ट सहकर कठिन समय में उन्होंने कार्य खड़ा किये थे यहाँ के कण कण से उनके कर्तव्य, त्याग एवं परिश्रम की सुगंध आज भी आती है इस अवसर पर उनकी याद आना स्वाभाविक है।

साथियों! रायबरेली से बरेली तक की यात्रा के इस काल में देश एवं प्रदेश की औद्योगिक स्थिति अत्यन्त जर्जर हो गयी है। जागतिक परिस्थिति, आर्थिक उदारीकरण की नीति एवं वैश्वीकरण को केन्द्र सरकार द्वारा प्राप्त प्रश्रय के परिणाम स्वरूप दिन प्रतिदिन उद्योग बंद होते जा रहे हैं। श्रमिक बेरोजगार हो रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या तो बंद किए जा रहे हैं या औने-पौने दामों मे निजी हाँथो में बेचे जा रहे है। प्रतिरक्षा एवं संचार माध्यम जैसे सरकारी विभागों में भी निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है। देश में बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ, विश्व मुद्रा कोष, विश्व बैंक तथा विश्व व्यापार संगठन का वर्चश्व दिन प्रतिदिन बढ़ने के कारण उद्योगो के साथ-साथ देश की अस्मिता एवं अखण्डता पर भी संकट के बादल मडंरा रहे है। श्रम कानूनों में संशोधन के नाम पर केन्द्र सरकार द्वारा सेवायोजकों को श्रमिकों के शोषण की छूट दी जा रही है। केलकर समिति की सिफारिसे कोढ़ मे खाज सिद्ध होगी।

असंगठित क्षेत्र के लाखों भाई एवं बहनें सेवायोजको द्वारा शोषण के शिकार हैं। उनको सम्मान दिलाने हेतु भारतीय मजदूर संघ उ० प्र० सतत् संघर्षरत है। प्रदेश में महिला कर्मियों की दशा अत्यन्त दयनीय है। उनको योग्य वेतन मान एवं संरक्षण दिलाने के लिए हम प्रयत्नशील हैं।

सस्ता एवं शीघ्र न्याय दिलाने की दृष्टि से प्रदेश में स्थापित श्रम न्यायालय व औद्योगिक न्यायाधिकारणों में हजारों वाद वर्षो से लम्बित पड़े है। एक ओर जहाँ इनकी संख्या कम है वहीं दूसरी ओर कुछ में पीठासीन अधिकारी ही नही हैं। सरकार एवं श्रम विभाग की उदासीनता के कारण श्रम नियमों एवं कानूनो का पालन भी नही हो पा रहा है। अनुसूचित उद्योगों के वेतन पुनरीक्षण भी समय से नही हो पा रहा हैं। श्रम विभाग की अड़गेवाजी के कारण यूनियनों के पंजीयन में आने वाली समस्याओं के कारण भी श्रमिकों का अहित हो रहा है। श्रमिकों की समस्याओं के निदान हेतु राज्य सरकार द्वारा गठित विभिन्न समितियों की बैठकें भी समय पर

नही हो पा रही हैं।

विगत अवधि मे अपने संगठन का व्याप (विस्तार) बढ़ा है। रायबरेली अधिवेशन तक आज का उत्तरांचल प्रदेश भी अपने प्रदेश का भाग था। उसके हटने के बाद भी आज अपने प्रदेश में कुल पंजीकृत यूनियन ६३८ तथा सोसायटी एक्ट के अर्न्तगत ६ और सदस्यता ५५३५५२ हैं।

राज्य सरकार के श्रम विभाग ने प्रदेश को सोलह क्षेत्रों में विभक्त कर रखा हैं। प्रत्येक श्रेत्र (रीजन) मे उपश्रमायुक्त अपर श्रमायुक्त का कार्यलय होता है। संगठन की रचना में हमने इसे क्षेत्र की संज्ञा दी है। कार्यकर्ताओं के अभाव के कारण अभी भी प्रत्येक क्षेत्र के लिए क्षेत्र प्रमुख की ब्यवस्था नही है। प्रदेश में पंजीकृत यूनियनों की क्षेत्रानुसार जिलाशः संख्या आगे परिशिष्ट 'क' मे दिया गया है।

प्रदेश में कुछ प्रमुख उद्योगों के प्रादेशिक औद्योगिक महासंघ व प्रदेश स्तरीय यूनियनें सक्रिय है। अपने अपने क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यक्रम एवं आन्दोलन आगे के पृष्ठों पर है।

प्रतिनिधि बंधुओं। अपना प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का सबसे विशाल प्रदेश है। लगभग १७ करोड की आबादी हैं। समस्यायें भी अधिक हैं। प्रदेश व देश का सबसे बडा श्रम संगठन होने के नाते हमारा दायित्व भी अधिक है। सम्पूर्ण श्रम जगत हमारी ओर देख रहा है। उनकी हमसे कुछ अपेक्षा है। धरना, आन्दोलन, प्रदर्शन एवं जनजागरण के माध्यम से हम सरकार पर दबाव बनाकर उनकी समस्याओं को पूरा कराने का प्रयत्न कर रहें है। सफलता भी मिल रही है। इस सफलता का आधार आप हैं। आप जो अपने व्यक्तिगत एवं परिवार के सुख-चैन की चिन्ता किए बिना रात-दिन (अहर्निश) संघर्ष कर रहे है कष्ट झेल रहे परिश्रम कर रहे हैं। आप के त्याग, तपस्या, एवं बलिदान के प्रति हम आभार पकट करते है। पर ध्यान रहे - यह सफर लम्बा है। संघर्ष अभी बाकी है श्रमिकों को उनका अधिकार एवं पूर्ण न्याय दिलाने तक तथा लक्ष्य की प्राप्ति तक चलता रहेगा। हमें विश्वास है कि परीक्षा की इस कठिन घड़ी मे आप खरे उतरेंगे। आप के प्रयत्न से, परिश्रम से एवं आत्म विश्वास से भारतीय मजदूर संघ का कार्य अपने प्रदेश में और भी प्रभावी एवं यशश्वी होगा। भारतीय मजदूर संघ जनजन का श्रम संगठन बनेगा ऐसा पूर्ण विश्वास है

। भारत माता की जय ।

आपका - **देवनाथ सिहं महामंत्री**

विगत तीन वर्षो का संक्षिप्ति विवरण

संगठनात्मक-

वर्तमान में प्रदेश की संगठनात्मक रचना - प्रदेश, सम्भाग क्षेत्र जिला इकाई हैं। प्रादेशिक औद्योगिक महासंघ की भी रचना है।

सम्भाग की रचना एवं नाम करण निम्न प्रकार है-

१. **गोरखपुर सम्भाग** - गोरखपुर एवं आजमगढ़ क्षेत्र कुल १० जिले हैं।

२. **काशी सम्भाग** - वाराणसी, मिर्जापुर एवं इलाहाबाद क्षेत्र मे ११ जिले हैं।

३. **लखनऊ सम्भाग** - लखनऊ एवं फैजाबाद क्षेत्र में १५ जिले हैं।

४. **कानपुर सम्भाग**- कानपुर एवं झाँसी क्षेत्र १३ जिले हैं।

५. **आगरा सम्भाग** - आगरा अलीगढ़ एवं बरेली क्षेत्र ११ जिले हैं।

६. **मेरठ सम्भाग** - मेरठ, सहारनपुर गाजियाबाद एवं मुरादाबाद क्षेत्र मे ११ जिले हैं।

सभी श्रेत्रों में क्षेत्र प्रमुख नही है। सभी प्रदेश मंत्री सम्भाग प्रमुख है। सभी के साथ एक एक क्षेत्र है। मुरादाबाद व मेरठ क्षेत्र के लिए क्षेत्र प्रमुख नहीं हैं। ६३ जिलों में जिला समिति तथा ८ में संयोजक है। चित्रकूट, महोबा, सिद्धार्थनगर कन्नौज एवं श्रावस्ती में कोई पंजीकृत यूनियन नही है प्रयासरत है।

पूर्ण कालिक कार्यकर्ताओं की संख्या २३ हैं जिनका विवरण आगे परिशिष्ट 'ख' में दिया गया है।

प्रदेश कार्यकारिणी-

प्रदेश कार्यकारिणी व पदाधिकारियों की बैठकें नियमित होती रही है जिसका विवरण आगे परिशिष्ट 'ग' पर है।

स्थापना दिवस :-

भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस प्रतिवर्ष दि० २३ जुलाई को धूमधाम से मनाया जाता है। विविध कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ। कार्ययालयों पर ध्वज बदल गयें।

राष्ट्रीय श्रम दिवस :-

प्रतिवर्ष १७ सितम्बर विश्वकर्मा जयन्ती को राष्ट्रीय श्रम दिवस के रूप में अधिकांश जिला केन्द्रों, प्रमुख औद्योगिक केन्द्रों एवं प्रतिष्ठानों पर उत्सव के रूप में मनाया गया। कानपुर, वाराणसी, इलाहाबाद, लखनऊ, बरेली गाजियाबाद आदि केन्द्रो पर बड़ी सभायें व जुलूस आदि का आयोजन हुआ।

जिला सम्मेलन-

जिला समितियुक्त जिलो का जिला सम्मेलन प्रतिवर्ष हुआ। उनकी बैठके भी होती रही हैं। जिन जिलों में मात्र संयोजक है वहाँ जिला समिति के गटन का प्रयास चल रहा है। कुछ तहसीलों में तहसील समिति भी है।

अधिवेंशन-

प्रदेश स्तरीय युनियनों व औद्योगिक महासंघों के अधिवेंशन अपने निर्धारित समय पर हुए । औद्योगिक महासंघो को और सक्षम एवं सक्रिय बनाने की दृष्टि से प्रयासरत हैं ।

भारतीय मजदूर संघ उ० प्र० का प्रदेश अधिवेशन निर्धारित एवं निश्चित समय पर होते रहे है। इनका विवरण आगे परिशिष्ट 'घ' पर दिया गया हैं।

भारतीय मजदूर संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन गत वर्ष केरल प्रान्त कें तिरूवनन्तपुरम नगर में दि० २२, २३ व २४ फरवरी २००२ को सम्पन्न हुआ। प्रदेश से २३३ प्रतिनिधियों ने भाग लिए ।

स्व. बड़े भाई स्मृति दिवस -

भारतीय मजदूर संघ को नई दिशा प्रदान करने वाले अपने पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री स्व० रामनरेश सिहं जिनको सभी लोग बड़े भाई के नाम से जानते हैं, की पुण्य तिथि दि० २ मई को अधिकांश जिला केन्द्रो पर मनायी गयी।

आन्दोलन एवं कार्यक्रम-

१६ अप्रैल २००१ - भारतीय मजदूर संघ (केन्द्र) के आह्वान पर दि० १६ अप्रैल २००१ को दिल्ली में स्थिति रामलीला मैदान में विश्व व्यापार संगठन के विरोध में एक विशाल रैली में अपने प्रदेश से लगभग ११५०० मजदूरों ने भाग लिया। यह रैली विशुद्ध राष्ट्रीय हितो की मॉग- डब्लू.टी.ओ. छोड़ो मोड़ो तोड़ो को लेकर हुई थी। रैली की तैयारी की दृष्टि से पूर्व में प्रदेश एवं केन्द्र के अधिकारियों का जिलाशः एवं यूनियनशः बैठके तथा पत्रकार सम्मेलन हुए।

१७ अक्टूबर २००१ - भारतीय मजदूर संघ उ० प्र० की मथुरा कार्य- समिति में लिए गए निर्णय के अनुसार मजदूरों की मागों को लेकर स्व० बड़े भाई के जन्म दिन दि० १७ अक्टूबर को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक दिवसीय रैली हुई अत्यन्त सफल कार्यक्रम रहा। १४००० से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया इसके पूर्व विश्वकर्मा जयन्ती दि० १७ सितम्बर से १६ अक्टूबर तक जनजागरण किया गया। जिलाशः उद्योगशः व यूनियनशः बैठकें की गयी। प्रदेश एवं केन्द्र के पदाधिकारियों का दौरा हुआ। बड़े केन्द्रो पर पत्रकार सम्मेलन हुए रैली के पश्चात एक प्रतिनिधि मण्डल तत्कालीन मुख्यमंत्री जी से मिलकर ज्ञापन दिया ततकालीन मुख्य मंत्री ने समस्त औद्योगिक कर्मचारियों को आवासीय भत्ता एवं चिकित्सा भत्ता (जिन कर्मचारियों को नही मिलता है) दिए जाने की घोषणा की जो अभी तक क्रियान्वित नही हुई।

३० सितम्बर २००२ - त्रिवेन्द्रम अधिवेशन, दि० २२, २३ व २४ फरवरी २००२, में लिए गए निर्णय के अनुसार विश्व व्यापार संगठन,

विश्व बैंक अर्न्तराष्ट्रीय मुद्राकोष तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को निजी हाथो मे सौपे जाने,तथा प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन न किये जाने के विरोध में प्रदेश की राजधानी लखनऊ मे दि० ३० सितम्बर को रैली हुई । भारतीय मजदूर संघ की अगुवाई में सम्पन्न इस रैली में भारतीय किसान संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच भी सम्मिलित थे। रैली में भारतीय मजदूर संघ के २२००० कार्यकर्ताओं की संख्या रही इसके पूर्व १७ सितम्बर से २८ सितम्बर तक प्रदेश में जनजागरण अभियान लिया गया

प्रवास-

विभिन्न कार्यक्रमों को निमित्त बनाकर सम्पूर्ण प्रदेश में राष्ट्रीय संगठन मंत्री मा० ओम प्रकाश अग्घी, राष्ट्रीय मंत्री मा० रामदास जी पाण्डेय, श्री रामदौर जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री रमाकान्त जी, उपाध्यक्ष श्री सर्वेश जी, नरेन्द्र सिहं, वीरेन्द्र जी सुखदेव जी महामंत्री देवनाथ सिंह एवं सभी मंत्रियों का प्रवास कईबार हुआ। सभी जिलों के अतिरिक्त उद्योगशः एवं युनियनशः भी प्रवास हुए।

२८ नवम्बर २००२-

१७ अक्टूबर २००१ को विधान सभा पर की गई रैली के समय मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई को पूरा न होने की स्थिति में दि० २८ नवम्बर २००२ को सम्पूर्ण प्रदेश में उपश्रमायुक्त/अपर श्रमायुक्त कार्यालयों पर एक दिवसीय धरना दिया गया। उपश्रमायुक्त/अपरश्रमायुक्त के माध्यम से मा० मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन दिया गया।

शिक्षा वर्ग-

१,२ व ३ नवम्बर २००२ सहारनपुर, ८ व ९ नवम्बर २००२ को जगदीशपुर (सुल्तानपुर) १५, १६, १७ नवम्बर २००२ आगरा एवं २८, ३० नवम्बर व १ दिसम्बर २००२ को मुरादाबाद में शिक्षा वर्ग सम्पन्न हुए।

-: क्षेत्रीय वृत्त :-

गोरखपुर क्षेत्र -

गोरखपुर क्षेत्र में ७ जिले - गोरखपुर, महराजगंज, बस्ती, सिद्धार्थ नगर, संत कबीर नगर, देवरिया व कुशी नगर हैं। ५ जिलों में जिला समितियाँ तथा २ में संयोजक हैं। सिद्धार्थ नगर में पंजीकृत यूनियन नही हैं।

१६ अप्रैल २००१ दिल्ली रैली में ३०० लोगों ने भाग लिया।

१७ अक्टूबर २००१ विधान सभा रैली में ६०० लोगों ने भाग लिया।

३० सितम्बर २००२ लखनऊ रैली में १८६४ लोगों ने भाग लिया।

२६ नवम्बर उपश्रमायुक्त कार्यालय पर धरना दिया गया। २०० लोग रहे। गोरखपुर में जिला सम्मेलन हुआ।

२३ जून २००१ को गोरखपुर में ग्रामीण बैंक का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ।

२३ जुलाई २००१ को, गोरखपुर, देवरिया, बस्ती व कुशी नगर में जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया।

गोरखपुर में धरना दिया गया।

आजमगढ़ क्षेत्र -

आजमगढ़ क्षेत्र में ३ जिले - आजमगढ़, मऊ व बलिया हैं।

तीनों मे जिला समिति हैं।

तीनों में पंजीकृत यूनियन है।

१६ अप्रैल २००१ दिल्ली रैली मे ६५ लोगो ने भाग लिए।

१७ अक्टूबर २००१ को विधान सभा पर रैली में १६५ लोगों ने भाग लिया।

३० सितम्बर २००२ लखनऊ रैली में २१३ लोगों ने भाग लिया।

२६ नवम्बर २००२ उपश्रमायुक्त कार्यालय पर धरना दिया गया।

आजमगढ़ में जिला सम्मेंलन हुआ।

वाराणसी क्षेत्र -

वाराणसी क्षेत्र में कुल ४ जिलें - वाराणंसी, गाजीपुर, चन्दौली, व जौनपुर हैं। सभी जिलों में समितियाँ है जौनपुर जिले में तहसील समितियाँ भी है।

१६ अप्रैल २००१ दिल्ली रैली में ७१५ लोगों ने भाग लिया।

१७ अक्टूबर २००१ को लखनऊ विधान सभा पर रैली में ७६५ पुरूष व १५८ महिलाओं ने भाग लिया।

३० सितम्बर २००२ लखनऊ रैली में १२०० लोगों ने भाग लिया।

२६ नवम्बर २००२ उपश्रमायुक्त कार्यालय के यहाँ धरना में १७५ लोग रहे ।

वाराणसी, जौनपुर, व चन्दौली में जिला सम्मेलन हुआ।

५ जनवरी २००३ को मुगलसराय में पूर्व मध्य रेलवे का सम्मेलन हुआ।

डी.एल.डब्लू का सम्मेलन हुआ।

टुल्लू पम्प में समझौता हुआ, ८०,६० रू० तक प्रत्येक कर्मचारी की वेतन बढ़ोत्तरी हुई।

प्लास्टिक कारखाना गाजीपुर में समझौता हुआ ६० से १५० रू० तक की बढ़ोत्तरी हुई।

बी.एच.ई.एल. वाराणसी में मान्यता चुनाव में अपनी यूनियन ने विजय प्राप्त की ।

मिर्जापुर क्षेत्र -

मिर्जापुर क्षेत्र में कुल ३ जिले - मिर्जापुर संत रविदास नगर (भदोही) एवं सोनभद्र है। तीनों जिलों में जिला समितियाँ एवं पंजिकृत यूनियन है।

तीनों ही जिलों में जिला सम्मेलन हुआ।

१६ अप्रैल २००१ दिल्ली रैली में ११२ लोग गए।

१७ अक्टूबर २००१ लखनऊ में विधान सभा पर रैली में ४६७ लोगों भाग लिए।

३० सितम्बर २००२ लखनऊ में २८४ लोग भाग लिए।

२६ नवम्बर २००२ उपश्रमायुक्त कार्यालय पर धरना दिया गया।

इलाहाबाद क्षेत्र-

इलाहाबाद क्षेत्र में कुल ४ जिले - इलाहाबाद, फतेहपुर, प्रतापगढ़ व कौशाम्बी है।

कौशाम्बी मे संयोजक एवं शेष ३ जिलों में जिला समितियाँ हैं।

सभी जिलो में पंजीकृत युनियन है।

इलाहाबाद में जिला सम्मेलन हुआ।

कौशाम्बी को छोड़ शेष ३ जिलों में स्थापना दिवस व विश्वकर्मा जयन्ती (राष्ट्रीय श्रम दिवस) मनाया गया।

स्व० बड़े भाई की पुण्य तिथि २ मई को मनायी गयी।

१६ अप्रेल २००१ दिल्ली रैली में १३६ लोगों ने भाग लिया।

१७ अक्टूबर २००१ को विधानसभा पर रैली में १६७ लोगों ने भाग लिया।

३० सितम्बर २००२ लखनऊ रैली में ३११ लोगो ने भाग लिया।

कतर की राजधानी दोहा में डब्लू.टी.ओ. की बैठक के समय १४ मार्च को जिलाधीश के यहाँ संयुक्त मोर्चा का धरना हुआ।

भा० म० संघ ने नेतृत्व किया।

जी.ई.सी. नैनी में दो माह तक धरना चला।

भारतीय रेल मजदूर संघ का दि० ३० सितम्बर से १ अक्टूबर २००१ को राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। १७०० प्रतिनिधि रहे। मा० ठेगड़ी जी कार्यक्रम में पूरे समय रहे।

राजकीय मुद्रणालय में धरना एवं आन्दोलन चला। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की मांगे मानी गयी।

लखनऊ क्षेत्र-

लखनऊ क्षेत्र में कुल ६ जिले - लखनऊ, रायबरेली, उन्नांव, सीतापुर, लखीमपुर व हरदोई है। सभी जिलों में जिला समिति एवं पंजीकृत यूनियन हैं।

१६ अप्रैल २००१ को दिल्ली रैली में ५२६ लोगों ने भाग लिया।

२३ जुलाई २००१ को जी.पी.ओ. में धरना दिया गया।

१७ अक्टूबर २००१ को विधान सभा रैली में ३६०० लोगों ने भाग लिया।

३० सितम्बर २००२ की लखनऊ रैली में ६२ स्थानों से ४६०० लोगों का प्रतिनिधित्व रहा।

अपट्रान में धरना व घेराव का कार्यक्रम चला।

१४ मार्च २००२ को लखनऊ में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन ।

लखनऊ, उन्नाव व रायबरेली का जिला सम्मेलन हुआ।

२३ अप्रैल २००२ को मा. अग्घी जी का प्रवास असंगठित क्षेत्र की दृष्टि से हुआ।

फैजाबाद क्षेत्र-

फैजाबाद क्षेत्र- में कुल ६ जिले - फैजाबाद , सुल्तानपुर, अम्बेदकर नगर, गोण्डा, बहराइच, बलरामपुर, बाराबंकी, अमेठी व श्रावस्ती हैं।

श्रावस्ती जिले में पंजीकृत यूनयिन नही है। शेष ६ जिलों में जिला समिति है।

फैजाबाद, सुल्तानपुर व बाराबंकी के जिला सम्मेलन हुए।

१६ अप्रैल २००१ दिल्ली रैली में ४१६ प्रतिनिधि भाग लिए।

१४ मार्च को ३ स्थानों पर धरना व प्रदर्शन।

टाण्डा में विद्युत का अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग हुआ।

१७ अक्टूबर २००१ को विधान सभा रैली में ७८६ लोगों ने भाग लिया।

बी.एच.ई.एल. जगदीशपुर (सुल्तानपुर) में मान्यता का चुनाव जीते।

३० सितम्बर २००२ को लखनऊ रैली में १३८५ लोगों ने भाग लिया।

२६ नवम्बर २००२ को फैजाबाद उपश्रमायुक्त कार्यालय के यहाँ धरना दिया गया।

कानपुर क्षेत्र-

कानपुर क्षेत्र में कुल ६ जिले - कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रूखाबाद, इटावा, कन्नौज व औरैया है। कन्नौज जिले में संयोजक व शेष ५ में जिला समितियाँ हैं। कन्नौज में पंजीकृत यूनियन नही है।

१६ अप्रैल २००१ की रैली में १५०० लोगों ने भाग लिया, जिनमें ३० महिलायें थी ४ जिलों का प्रतिनिधित्व रहा।

१७ अक्टूबर २००१ लखनऊ विधान सभा पर रैली में १३०० लोगो ने भाग लिया ३५ महिला कर्मचारी ने भाग लिया ।

३० सितम्बर २००२ की रैली में १७०० लोगों ने भाग लिया जिसमे ३० महिला कर्मचारी भी रही ।

स्थापना दिवस व विश्वकर्मा जयन्ती का कार्यक्रम मनाया गया।

डब्लू.टी.ओ. के विरोध में जनजागरण सप्ताह मनाया गया एवं डब्लू. टी.ओ का पुतला फूका गया।

आतंकवाद का पुतला फूका गया।

१७ दिसम्बर २००२ को उपश्रमायुक्त कार्यालय पर धरना २७६ कर्मचारियों ने भाग लिया

रेलवे द्वारा सामाजिक समरसता दिवस १४ जनवरी को मनाया गया।

बैंको में हड़ताल रही।

रिजर्व बैंक की आलइण्डिया एक्जीक्यूटिव की बैठक कानपुर में हुई।

हौजरी का प्रदर्शन हुआ, बाद में वेतन बढ़ोत्तरी हुई।

आँगनवाड़ी का सम्मेलन २ स्थानों पर हुआ।

मा० अग्धी जी एवं रामदास जी पाण्डे का प्रवास हुआ।

झाँसी क्षेत्र-

झाँसी क्षेत्र में कुल ७ जिले - झाँसी, जालौन, बाँदा, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट व ललितपुर हैं। महोबा व ललितपुर में संयोजक तथा शेंष ५ में जिला समितियाँ हैं।

महोबा व चित्रकूट में पंजीकृत यूनियन नही है।

१६ अप्रैल २००१ की रैली में ४०० लोगों ने भाग लिया। आँगन बाड़ी व ठेके के मजदूरों की संख्या अधिक रही।

१७ अक्टूबर २००१ की विधान सभा पर रैली कार्यक्रम में ३५० संख्या रही।

३० सितम्बर २००२ की रैली में ५०० लोगो ने भाग लिया ४० महिला कर्मचारीयों ने भी भाग लिया।

ऑगन बाड़ी का धरना कार्यक्रम हुआ ५० बहने रही।

१४ मार्च को झॉसी में संयुक्त मोर्चा का धरना। अपने १०० लोग रहे।

मध्य रेलवे कर्मचारी संघ का सम्मेलन हुआ।

ऑगन बाडी के सम्मेलन मे मा. अग्घी जी रहे, १२५ कार्यकतियों की भागेदारी रही ।

ग्रामीण बैंक का प्रदेश अधिवेशन झॉसी मे सम्पन्न हुआ।

बी.एच.ई.एल में मान्यता के चुनाव में अपनी यूनियन विजयी रही।

आगरा क्षेत्र -

आगरा क्षेत्र में कुल ७ जिले - आगरा, मथुरा, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, अलीगढ़ तथा हाथरस है।

५ जिलों में समितियॉ तथा २ में संयोजक है।

१६ अप्रैल २००१ दिल्ली रैली में कुल १६०५ लोगों ने भाग लिया।

१७ अक्टूबर २००१ लखनऊ विधान सभा पर रैली में ३७६ लोगों ने भाग लिया।

३० सितम्बर २००२ लखनऊ रैली में ६८२ लोगों ने भाग लिया।

१४ मार्च जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना दिया गया।

इजीनियरिंग में आन्दोलन हुआ, समझौता हुआ।

१५ अक्टूबर को जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन हुआ ।

विश्वकर्मा जयन्ती व स्थापना दिवस आगरा, मथुरा व अलीगढ़ मे

नियमित रूप में मनाया जाता है।

आगरा, मथुरा व अलीगढ़ में जिला सम्मेलन सम्पन्न हुए ।

बरेली क्षेत्र -

बरेली क्षेत्र में कुल ४ जिले - बरेली, बदायूँ, पीलीभीत, व शाहजहाँ पुर है। सभी जिलों में जिला समितियाँ है।

१६ अप्रैल २००१ रैली में १४०७ लोग रहे। सभी प्रमुख उद्योगो का प्रतिनिधित्व रहा।

१७ अक्टूबर २००१ विधान सभा पर रैली में ६७६ लोग रहे।

३० सितम्बर २००२ लखनऊ रैली मे १४०८ लोग रहे।

मा० रामदास जी पाण्डेय, रामदौर जी, देवनाथ जी, सर्वेश जी वे प्रेम सागर जी का प्रवास हुआ।

इफको मे न्यूनतम वेतन को लेकर ठेका श्रमिको द्वारा बंद का कार्यक्रम रखा गया। समझौता हुआ। ४४ छंटनीशुदा कर्मचारियों को पुनः कार्य पर रखवाया गया ।

१७ सितम्बर २००१ से १६ अक्टूबर तक जनजागरण मनाया गया।

दोहा बैठक के विरोध में आम सभा की गयी। जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया गया।

रबर फैक्ट्री के कर्मचारियों द्वारा दिल्ली में प्रदर्शन किया गया।

चारों जिलों में सम्मेलन हुए।

मेरठ क्षेत्र -

मेरठ जिले में कुल चार जिले - मेरठ, मुजफ्फर नगर, बागपत व सहारनपुर हैं। ३ जिलों में जिला समितियाँ हैं। बागपत में सयोंजक है।

१६ अप्रैल २००१ की रैली में १०७० लोगों ने भाग लिया।

१७ अक्टूबर २००१ को लखनऊ विधानसभा रैली में ५३५ लोगों ने भाग लिया।

३० सितम्बर २००२ की लखनऊ रैली में ६६५ लोगों ने भाग लिया।

सहारनपुर में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई। अत्यन्त उत्साह पूर्ण वातावरण रहा।

शुगर की दृष्टि से अत्रिदेव जी का प्रवास हुआ।

कोआपरेटिव बैंक में २ लोग निकाले गए थे बहाल कराये गए।

१४ मार्च को दोहा सम्मेलन के अवसर पर के विरोध दिवस २ स्थान पर मनाया गया।

मुरादाबाद क्षेत्र-

मुरादाबाद क्षेत्र में ४ जिले - मुरादाबाद, बिजनौर रामपुर व अमरोहा हैं। अमरोहा में सयोंजक तथा शेष ३ में समितियाँ है।

१६ अप्रैल २००१ की रैली में ३८५ लोगो ने भाग लिया।

१७ अक्टूबर २००१ विधान सभा रैली मे १८६ लोग रहे।

३० सितम्बर २००२ लखनऊ रैली मे ३६५ सख्या रही।

१४ मार्च को डी.एल.सी. को ज्ञापन दिया गया।

विवेकानन्द अमरोहा में समझौता हुआ, किन्तु लागू नहीं हुआ।

विजनौर व मुरादाबाद का जिला सम्मेलन सम्पन्न।

गाजियाबाद क्षेत्र -

गाजियाबाद क्षेत्र में कुल ३ जिलें - गाजियाबाद बुलन्दशहर व गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) है। तीनो जिलो में समितियॉ हैं।

१६ अप्रैल २००१ की रैली में ३२१० लोगो ने भाग लिया। तैयारी हेतु श्री रामदास जी पाण्डेय राष्ट्रीय मंत्री का प्रवास हुआ।

सिटी केबल पर पंद्रह दिन तक समाचार आता रहा।

१७ अक्टूबर २००१ विधान सभा रैली में ५१६ लोगों ने भाग लिया।

३० सितम्बर २००२ लखनऊ रैली में २२ यूनियनों से ७३२ लोगो ने भाग लिया।

बी.ई.एल. की वार्ता हुई। सफलता प्राप्त हुई।

डब्लू.टी.ओ. के विरोध में गाजियाबाद में धरना दिया गया।

६ फरवरी २००२ को एन.टी.पी.सी. केन्द्रीय कार्य समिति की बैठक हुई।

१६ अप्रैल को बी.ई.एल. में हड़ताल रही।

एन.टी.पी.सी. व बी.ई.एल. में मान्यता के चुनाव में दूसरे नम्बर पर रहें।

मोदी नगर पेपर मिल में २५ जून को हड़ताल, समझौता हुआ।

नोएडा मिन्ट में वर्क्स कमेंटी के चुनाव में अपने २ प्रतिनिधि जीते।

एटलस साइकिल में धरना। गारमेंक्स यूनियन का धरना सेवायोजकों द्वारा मारपीट १२६ कर्मचारियों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा। ७ महिला कर्मियों पर भी मुकदमा चला ।

स्थापना दिवस व विश्वकर्मा जयन्ती नियमित रूप से मनाया जाता है।

तीनो जिलों में जिला सम्मेलन हुआ।

-: उ० प्र० विद्युत मजदूर संघ :-

वर्तमान में उत्पादन निगम जल विद्युत निगम व पावर कारपोरेशन तथा केस्को कम्पनी के रूप में बोर्ड परिवर्तन हो गया है।

सभी में यूनियन है टाण्डा ऊँचाहार व ओवरा में यूनियन है इसके अतिरिक्त सभी नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन में यूनियनें कार्यरत है।

जल विद्युत में माताटीला, पीपरी व कालागढ़ में कार्य हैं।

१७ सितम्बर से १६ अक्टूबर तक जनजागरण मनाया गया।

२,३ नवम्बर २००१ को वृन्दावन में राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ ।

मा० ठेगड़ी जी पूरे समय रहे।

केस्को कानपुर में कार्य गोष्ठी आयोजित की गई।

संधर्ष समिति के आवाहन पर १४ दिसम्बर २००० को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल हुई ।

पुनः हड़ताल की नोटिस पर माँगो का समझौता हुआ। जिसमें उ० प्र० विद्युत मजदूर संघ की विशेष भूमिका रही। समझौते से ३०००० कर्मचारियो का स्केल परिवर्तन व सभी को टेक्निकल भत्ता प्राप्त होगा।

राज्य विद्युत परिषद में ५ हजार करोड़ रूपये के हुये घोटाले को उ० प्र० विद्युत मजदूर संघ ने उजागर कर सी.वी.आई. द्वारा जाँच किये जाने के आदेश करवायें। एक्सपर्ट कमेटी के गठन का समझौता में उपलब्धि रही।

-: उ० प्र० रोडवेज कर्मचारी संघ :-

उ० प्र० परिवहन निगम में कुल ४ मंडल, १८ क्षेत्र, ११३ डिपो, २ बड़ी कार्यशालाये, १ कार सेक्सन, ६ टायरशाप व १ प्रेस व मुख्यालय हैं। ४८६०० कर्मचारी तथा ३६२ अधिकारी हैं। बडी सख्या में संविदा/पार्ट टाइम/दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी है।

मुरादाबाद, इटावा, गाजियाबाद तथा अलीगढ़ चार क्षेत्रों को छोड़कर शेष सभी क्षेत्रों में अच्छा काम हैं। सभी स्थानों पर अपना कार्यालय हैं।

परिवहन निगम का अभी उ० प्र० व उत्तरांचल में विभाजन नही हुआ है।

२८ फरवरी २००१ को निगम मुख्यालय लखनऊ पर एक दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। १६ अप्रैल २००१ को केन्द्र बी एम एस के आवाह्न पर दिल्ली में संसद पर एक विशाल अभूतपर्व रैली की गई जिसमें संघ के प्रतिनिधियों ने भारी संख्या में भाग लिया। ६ अगस्त से १० अगस्त २००१ तक विधान सभा पर धरना दिया गया। ७ जनवरी २००२ से १० जनवरी २००२ तक मुख्यालय लखनऊ पर धरना दिया गया। २२, २३ व २४ फरवरी २००२ को बी एम एस केन्द्र का अखिलभारतीय अधिवेशन केरल प्रदेश के त्रिवेन्द्रम शहर में सम्पन्न हुआ जिसमें संघ के ३६ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ३० सितम्बर २००२ को प्रदेश बी एम एस के साथ साथ विधान सभा रैली निकाल कर विशाल प्रदर्शन किया गया। २२, २३ व २४ अक्टूबर २००२ को भारतीय परिवहन मजदूर महासंघ का पूर्वोत्तर भारत के प्रदेशों का अभ्यासवर्ग दिल्ली में सम्पन्न हुआ जिसमें प्रदेश से लगभग २५ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दि० १४, १५ दिसम्बर २००२ को अयोध्या (नया बस स्टेशन) पर १३वॉ प्रदेश

अधिवेशन सम्पन्न हुआ जिसमे लगभग ३०० प्रतिनिधियों ने भाग लिया व नई प्रदेश कार्य समिति का गठन किया गया।

-: सिचाई मजदूर संघ उ०प्र० :-

जौनपुर, गाजीपुर, वाराणसी, शाहजहाँपुर, गोण्डा, बहराइच, बुलन्दशहर मेरठ व विजनौर जिलों में कार्य है।

-: कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ :-

प्रदेश में १५ यूनियनें कार्यरत हैं। कुछ जिलों में संयोजक हैं।

अखिल भारतीय अधिवेशन जगदीशपुर (सुल्तानपुर) में हुआ।

लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर में मा० अग्घी जी का प्रवास हुआ।

-: उ० प्र० राज्य कर्मचारी संगठन :-

गोरखपुर, फैजाबाद, इलाहाबाद, लखनऊ व कानपुर में काम हैं।

अभी प्रभावी कार्य नही खड़ा हो पाया है।

लखनऊ में १ दिन का प्रदेश का सम्मेलन हुआ।

-: ऑगनबाड़ी कर्मचारी संघ उ० प्र० :-

वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, फैजाबाद, कानपुर जौनपुर, फतेहपुर, हमीरपुर, झाँसी, मुरादाबाद सहारनपुर व मिर्जापुर में काम है।

राष्ट्रीय अधिवेशन भीलवाड़ा में हुआ। उ० प्र० का भी प्रतिनिधित्व रहा।

फतेहपुर, कानपुर, झाँसी में मा० अग्घी जी का प्रवास हुआ।

अपने प्रयाश से ऑगन वाड़ी में कार्यरत बहनो का मानधन ५००.०० रू० महीना बढ़ा। ४ फरवरी को दिल्ली में मा० प्रधानमंत्री को धन्यवाद ज्ञापन का कार्यक्रम हुआ। २८ जु० २००२ को झाँसी व २६ जु० २००२ को अमौली (फतेहपुर) में सम्मेलन सम्पन्न हुये क्रमशः संख्या १५० व ८५ रही मा० ओम प्रकाश अग्घी अखिल भारतीय संगठन मंत्री का मार्ग दर्शन हुआ।

-: उ० प्र० चीनी मिल मजदूर संघ :-

११५ चीनी मिले है। १८ मिलें बंद है। ६३ यूनियन कार्यरत है।

संघर्ष समिति द्वारा प्रयासकर वेतन पुनरीक्षण व बोनस के सम्बंध में कमेटी का गठन कराया गया, जिसकी कई बैठके हुई।

सहकारी चीनी मिल के कर्मचारीयों को पी.जी.आई के प्रमाण के आधार पर बीमारी का पैसा प्राप्त होगा।

१६ बंद मिलों को चलाने के लिए धरना दिया गया। ८ पर सहमति बनी।

१५ करोड़ रूपया सरकार द्वारा उपलब्ध कराया गया।

पलिया में विगत फरवरी माह में प्रदेश का अधिवेशन हुआ

गुजरात में ग्रुप समूह का अभ्यास वर्ग हुआ

प्रदेश की बैठके नियमित होती है।

-: उ० प्र० टेक्सटाइल मजदूर संघ :-

अधिकांश मिलों के बंद होने के कारण कार्य सिथिल है। कर्मचारी बी०आर०एस० लेकर जा रहे है। टेक्सटाइल उद्योग की स्थिति अत्यन्त दयनीय है।

लाल इमली के कर्मचारी लम्बे समय से आन्दोलन में है समझौता वार्ताचल रही है।

हौजरी उद्योग में हड़ताल हुई । समझौता में कर्मचारियो को लाभ हुआ श्रमायुक्त कार्यालय पर वेतन पुनरीक्षण की मॉग को लेकर प्रदर्शन किया गया।

-: उ० प्र० डिस्टिलरी मजदूर संघ :-

प्रदेश में डिस्टिलरी के कुल ३२ कारख़ाने हैं। ११ मे अपना कार्य हैं। प्रदेश की बैंठके नियमित होती है।

-: उत्तर प्रदेश इन्जीनियरिगं वर्कर्स फेडरेशन

प्रदेश के सभी छोटे बड़े इन्जीनियरिंग के कारखानों में यूनियनें पंजीकृत हैं। और अपने अपने स्थानों पर गतिशील व प्रभावी हैं'

वित्तीय उद्योग -

वित्तीय उद्योग में कुल ५७ यूनियने है। ६ यूनियने अभी सम्बद्ध नही है। जीवन बीमा ६, कामर्शियल बैंक-८, सहकारी बैंक-२, सहकारी समितिया-३ रिजर्व बैंक -१, तथा शेष ग्रामीण बैंक की हैं।

ग्रामीण बैंक को प्रदेश फेडरेशन की मान्यता प्राप्त हो गयी है।

मा० -राजकृष्ण भगत जी का प्रवास कानपुर, लखनऊ में हुआ।

गोरखपुर में ग्रामीण बैंक का राष्ट्रीय अधिवेशन तथा झाँसी में प्रदेश का अधिवेशन हुआ।

रिजर्व बैंक की आलइण्डिया बैठक कानपुर में हुई।

गत १६ अप्रैल २००२ को कामर्शियल एवं ग्रामीण बैंकों में हड़ताल रही। ज्ञापन दिया गया।

कानपुर व आगरा में सम्मेलन हुआ।

प्रतिरक्षा -

प्रतिरक्षा प्रतिष्ठानों में वर्तमान में ४३ यूनियन हैं।

वर्क्स कमेटी के चुनाव में कई स्थानों पर सफलता मिली।

एम.ई.एस. व डी. जी. क्यू. ए. में कार्य प्रभावी है।

पूणे में राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रदेश से ४५० प्रतिनिधि भाग लिए।

जे.सी.एम. में सभी फोरम में स्थान प्राप्त हैं।

इसके अतिरिक्त निम्न प्रादेशिक औद्योगिक महासंघ प्रदेश स्तरीय यूनियान व केन्द्रीय औद्योगिक महासंघ की इकाइयाँ है जो प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है।

१. उ० प्र० दुकान कर्मचारी संघ

२. स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ, उत्तर प्रदेश

३. उ० प्र० गैर शिक्षक कर्मचारी परिषद,

४. उ० प्र० में केन्द्र व राज्य के सार्वजनिक प्रतिष्ठान,

५. उ० प्र० पर्यटन विकाश निगम लि० कर्मचारी संघ,

६. मण्डी परिषद कर्मचारी संघ उ० प्र० आदि

७. होटल एण्ड रेस्टोरेन्ट, पेपर एण्ड काईबोर्ड के भी प्रादेशिक औद्योगिक महासंघ है।

८. बी.एस.एन.एल. कर्मचारी संघ -

६. भारतीय पोस्टल इम्प्लाइज फेडरेशन -

१०. नेशनल आर्गेनाइजेशन आफ इंश्योरेंस वर्कर्स -

११. भारतीय रेलवे मजदूर संघ -

उत्तर रेलवे के तीनो मण्डलों तथा पूर्वोत्तर रेलवे के तीनो मण्डलो एवं पूर्ण मध्य रेलवे के मुगलसराय, डी.एल.डब्लू. वाराणसी, आर.डी.एस.ओ. लखनऊ में अपना कार्य हैं।

इलाहाबाद में दि० ३० सितम्बर-१ अक्टूबर २००१ को राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ।

लगभग १७०० प्रतिनिधि रहें। मा० ठेगड़ी जी गिरीश जी पूरे समय रहे।

५ जनवरी को मुगलसराय में पूर्व मध्य रेलवे का सम्मेलन हुआ। भयंकर शीतलहर के बाद भी अच्छी संख्या रही।

महिला विभाग-

सभी विभागों उद्योगों संगठित व असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मचारियों में अच्छा कार्य हैं।

कार्य को व्यवस्थित करने का प्रयास किया जा रहा हैं।

****

परिशिष्ट 'क'

क्षेत्रानुसार जिलाशः यूनियनों की संख्या व सदरस्यता -

गोरखपुर क्षेत्र

क्र०	जिला	पंजीकृत यूनियन	सदस्यता
१.	गोरखपुर	११	७४,६२३
२.	महराजगंज	२	१३४८
३.	देवरिया	७	४,४६६
४.	कुशीनगर	६	६१२५
५.	बस्ती	६	१,४७७
६.	सिद्धार्थ नगर	-	-
७.	संत कबीर नगर	३	७८२
		-------	-----------
		३८	८८,८५३

आजमगढ़ क्षेत्र

१.	आजमगढ़	३	१,०१४
२.	मऊ	२	१,०८५
३.	बलिया	१	२७५
		----	------
		६	२,३७४

वाराणसी क्षेत्र

१.	वाराणसी	३२	५४३२६
२.	जौनपुर	६	३१५०
३.	गाजीपुर	४	१८५०
४.	चंदौली	६	२६००
५.	भदोही	४	५८६४२
		----	------
		५२	१२०८६८

मिर्जापुर क्षेत्र

क्र०	जिला	पंजीकृत यूनियन	सदस्यता
१.	मिर्जापुर	७	३७५३
२.	सोनभद्र	१२	५४५०
		----	------
		१९	९१६१

इलाहाबाद क्षेत्र

१.	इलाहाबाद	२७	७२१९
२.	प्रतापगढ़	३	२१७
३.	फतेहपुर	२	१०७
४.	कौशाम्बी	२	६७
		----	------
		३४	७६१०

कानपुर क्षेत्र

१.	कानपुर नगर	११०	१००३५१
२.	कानपुर देहात	९	२१०७
३.	फर्रुखाबाद	६	१३९५
४.	इटावा	१	९४७
५.	औरैया	४	१०४२
६.	कन्नौज	-	-
		----	------
		१३०	१,०५,८४२

झाँसी क्षेत्र

१.	झाँसी	९	९६२
२.	जालौन	३	३९७
३.	बाँदा	३	२३२
४.	ललितपुर	३	४४९
५.	हमीरपुर	२	२२१
६.	महोबा	-	-
७.	चित्रकूट	-	-
		-------	-----------
		२०	२२६१

लखनऊ क्षेत्र

क्र०	जिला	पंजीकृत यूनियन	सदस्यता
१.	लखनऊ	५४	५३६७१
२.	रायबरेली	१३	१५१८२
३.	उन्नाव	३	६१४
४.	सीतापुर	१४	७७६३
५.	हरदोई	१	७००
६.	लखीमपुर	६	४६५२
		----	------
		९१	८२६१२

फैजाबाद क्षेत्र

१.	फैजाबाद	७	५०८३
२.	सुलतानपुर	३	२५०६
३.	गोण्डा	५	२६०५
४.	बलरामपुर	२	१०६६
५.	श्रावस्ती	-	-
६.	बहराइच	२	१०८०
७.	अम्बेदकर नगर	१	३१०
८.	बाराबंकी	७	२४२०
९.	अमेठी	-	-
		----	------
		२७	१५०७०

आगरा क्षेत्र

१.	आगरा	२७	२८६३६
२.	फिरोजाबाद	४	३६९
३.	हाथरस	-	-
४.	मथुरा	१२	५८०७
५.	अलीगढ़	१६	२६५२
६.	मैनपुरी	१	४३२
७.	एटा	४	५९२
		----	---------
		६३	३८,८८८

बरेली क्षेत्र

क्र०	जिला	पंजीकृत यूनियन	सदस्यता
बरेली ३१		-	-
२.	पीली भीत	५	१३९८
३.	शाहजहाँ	१०	५२०४
४.	बदायूँ	२	८२०३
		----	------
		४८	३४,५३३

मेरठ क्षेत्र

१.	मेरठ	१६	५४७६
२.	बागपत	२	४५४
३.	मजफ्फर नगर	१५	३६३३
४.	सहारनपुर	१५	८२०३
		----	------
		५१	१८०६६

मुरादाबाद क्षेत्र

१.	मुरादाबाद	६	२६६६
२.	बिजनौर	७	३८००
३.	ज्योतिबाफुले नगर (अमरोहा	६	२०४६
४.	रामपुर	३	५००
		----	------
		२५	६३४२

गाजियाबाद क्षेत्र

१.	गाजियाबाद	२५	८६६२
२.	बुलन्दशहर	१४	३२५८
३.	गौतमबुद्ध नगर	६	१३८३
		----	------
		४५	१३६०३

परिशिष्ट 'ख'

१.	श्री रामदौर सिंह	- लखनऊ
२.	श्री प्रेमसागर मिश्र	- लखनऊ
३.	श्री बी.एन.मिश्र	- लखनऊ
४.	श्री अत्रिदेव तिवारी	- लखनऊ
५.	श्री अम्बिका प्रसाद सिंह	- कानपुर
६.	श्री सुखदेव प्रसाद मिश्र	- कानपुर
७.	श्री श्री कान्त अवस्थी	- कानपुर
८.	श्री लल्लन शुक्ल	- झाँसी
६.	श्री गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव	- इलाहाबाद
१०.	श्री बेचन सिंह	- इलाहाबाद
१०.	श्री श्री प्रकाश	- इलाहाबाद
११.	श्री देवनाथ सिंह	- वाराणसी
१३.	श्री रामकृष्ण गुप्त	- वाराणसी
१४.	श्री प्रदीप चक्रवर्ती	- मिर्जापुर
१५.	श्री महेन्द्र पाठक	- गोरखपुर
१६.	श्री देवेन्द्र सिंह	- आजमगढ़
१७.	श्री रामसूरत	- फैजाबाद
१८.	श्री लक्ष्मी नरायन	- अलीगढ़
१६.	श्री राजेश्वर दयाल शर्मा	- आगरा
२०.	श्री शंकर लाल	- आगरा
२१.	श्री रामलोचन उपाध्याय	- बरेली
२२.	श्री जगदीश बाजपेयी	- गाजियाबाद
२३.	श्री बीरेन्द्र जी	- मेरठ

परिशिष्ठ 'ग'

(दिसम्बर २००० से फरवरी २००३ तक प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक स्थान व तिथि)

क्र०	स्थान	तिथि
१.	इलाहाबाद (नैनी)	१७ व १८ मार्च २००१
२.	मथुरा	२५ व २६ अगस्त २००१
३.	सहारनपुर	१९ व २० जनवरी २००२
४.	गोरखपुर	२९ व ३० जून २००२
५.	आगरा	१६ व १७ नवम्बर २००२

भारतीय मजदूर संघ उ० प्र० के अब तक सम्पन्न अधिवेशन का विवरण

क्र०	अधिवेशन	तिथि	स्थान
१.	प्रथम	१५ नवम्बर १९५३	कानपुर
२.	द्वितीय	२४ फरवरी १९५७	कानपुर
३.	तृतीय	१९ दिसम्बर १९५९	कानपुर
४.	चतुर्थ	२२, २३ अक्टूबर १९६०	कानपुर
५.	पाँचवा	१४, १५ अक्टूबर १९६१	आगरा
६.	छठा	१९, २० अक्टूबर १९६२	गोरखपुर
७.	सातवाँ	२, ३ अक्टूबर १९६३	बरेली
८.	आठवाँ	२, ४ अक्टूबर १९६४	सहारनपुर
९.	नौवाँ	८, ९ अक्टूबर १९६५	लखनऊ
१०.	दसवाँ	८, ९ अक्टूबर १९६६	वाराणसी
११.	ग्यारहवाँ	९, १० मार्च १९६८	मुजफ्फर नगर
१२.	बारहवाँ	२८, २९ मार्च १९६९	शाहजहाँ पुर
१३.	तेरहवाँ	२१, २२ नवम्बर १९७०	प्रयाग
१४.	चौदहवाँ	२, ३ अक्टूबर १९७१	अलीगढ़
१५.	पंद्रहवाँ	१८, १९ नवम्बर १९७२	हरिद्वार
१६.	सोलहवाँ	१८, २० नवम्बर १९७३	रेणुकूट (सोनभद्र)
१७.	सत्रहवाँ	२२, २३ दिसम्बर १९७४	बुलन्द शहर

१८.	अठारहवाँ	१४ नवम्बर १६७६	आगरा
१६.	उन्नीसवाँ	७, ८ जनवरी १६७७	गाजियाबाद
२०.	बीसवाँ	२५, २७ नवम्बर १६७८	नैनी (प्रयाग)
२१.	इक्कीसवाँ	१७, १८ दिसम्बर १६७६	बरेली
२२.	बाइसवाँ	११, १३ अप्रैल १६८२	सहारनपुर
२३.	तेइसवाँ	१७, १८ फरवरी १६८५	लखनऊ
२४.	चौबीसवाँ	२४, २५ अप्रैल १६८८	कानपुर
२५.	पच्चीसवाँ	२१, २२ अक्टूबर	वाराणसी
२६.	छब्बीसवाँ	१३, १५ नवम्बर १६६४	आगरा
२७.	सत्ताइसवाँ	२५, २६ अक्टूबर १६६६	हरिद्वार
२८.	अट्ठाइसवाँ	११, १२ नवम्बर २०००	रायबरेली
२६.	उन्तीसवाँ	२, ३ मार्च २००३	बरेली

-: प्रदेश पदाधिकारी एवं पूर्णकालिकों की बैठक :-

क्र०	स्थान	तिथि
१.	लखनऊ	१४ दिसम्बर २०००
२.	उन्नाव	११ फरवरी २००१
३.	प्रयाग	१६ मार्च २००१
४.	अलीगढ़	१८, १६ जुलाई २००१
५.	मथुरा	२४ अगस्त २००१
६.	सहारनपुर	१८ जनवरी २००२
७.	कानपुर	११ मई २००२
८.	गोरखपुर	२८ जून २००२
६.	लखनऊ	१३ सितम्बर २००२
१०.	आगरा	१५ नवम्बर २००२
११.	कानपुर	२५ जनवरी २००३

-: अन्य विविध बैठकें :-

१४ फरवरी २००१	स्टैंडिंग लेबर केमटी की बैठक लखनऊ
२३ फरवरी २००१	मा० मुख्य मंत्री जी से प्रतिनिधि मण्डल की वार्ता
१२ .मार्च २००१	द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग के समक्ष योजना भवन लखनऊ में ज्ञापन दिया गया।
१४ मार्च २००१	द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग की समापन बैठक में प्रतिनिधि मण्डल ने भाग लिया।
१८ व १६ मई २००१	३७ वाँ श्रम सम्मेलन विज्ञान भवन, नई दिल्ली
१० सितम्बर २००१	मुख्यमंत्री निवास पर श्रम पंचायत श्रम समस्याओं के सम्बन्ध में ।
१७ अक्टूबर २००२	मुख्यमंत्री के साथ भामस की वार्ता
२० नवम्बर २००२	श्रममंत्री की अध्यक्षता में त्रिपक्षीय बैठक - विषय मकान भत्ता व चिकित्सा भत्ता
२ दिसम्बर २००२	लखनऊ में मा० श्रम मंत्री जी की अध्यक्षता में श्रम गोष्ठी।
२३ दिसम्बर २००२	कागज, गत्ता, कपड़ा व चमड़ा उद्योग का त्रिदलीय सम्मेलन।

-: प्रशासनिक इकाइयाँ :-

१.	जिला	७१
२.	मण्डल	१७
३.	नगर निगम	११
४.	नगर एवं नगर समूह	६३१
५.	विकास खण्ड	८०६
६.	न्याय पंचायत	८८१४
७.	ग्राम सभा	५१८२६
८.	आवाद ग्राम	६७१३४
६.	कर्मकार कुल जनसंख्या का	२७.७ प्रतिशत
१०.	कृषक कुल जनसंख्या का	७२.३ प्रतिशत

****

CHART OF COST OF LIVING INDEX BASED - 960 = 100

YEAR	JAN.	FEB.	MAR	APR.	MAY.	JUNE	JULY	AUG.	SEPT.	OCT.	NOV.	DEC.	AVE.
1961	101	101	102	102	103	105	105	105	105	105	105	105	104
1962	105	105	105	105	106	107	109	109	109	110	109	108	107
1963	107	106	107	108	109	110	111	112	113	114	114	115	111
1964	115	117	118	119	121	124	127	128	131	134	134	135	125
1965	136	133	134	132	133	134	138	140	142	142	142	142	137
1966	142	143	143	144	149	152	155	156	153	158	160	162	152
1967	162	163	165	166	179	174	175	177	176	179	178	176	173
1968	181	179	175	176	175	176	176	178	180	180	176	171	177
1969	170	169	170	171	173	178	180	180	180	178	177	177	175
1970	177	177	179	181	183	185	186	187	188	189	189	186	184
1971	184	184	184	184	184	187	190	194	196	196	197	195	190
1972	194	190	194	195	196	201	205	207	208	209	210	210	202
1973	210	213	216	221	228	233	243	247	248	254	259	260	236
1974	264	267	275	283	294	301	311	321	334	331	331	336	304
1975	326	325	331	323	327	328	324	321	319	315	315	306	321
1976	298	290	286	289	290	291	297	298	302	304	306	306	296
1977	307	310	312	313	310	320	325	327	331	330	330	330	321
1978	325	320	321	322	323	327	330	331	336	340	340	335	329
1979	332	329	332	337	339	345	353	360	363	365	368	374	350
1980	371	369	373	375	382	386	394	397	402	406	411	408	390

YEAR	JAN.	FEB.	MAR	APR.	MAY.	JUNE	JULY	AUG.	SEPT.	OCT.	NOV.	DEC.	AVE.
1981	411	418	420	427	433	439	447	454	456	460	462	460	441
1982	459	458	457	459	462	470	478	488	489	491	496	497	475
1983	495	500	502	508	521	533	541	549	554	558	561	559	532
1984	563	561	558	559	562	574	585	586	589	592	595	588	576
1985	588	585	586	594	600	606	615	618	619	625	630	630	608
1986	629	633	638	643	651	658	668	672	676	685	692	688	661
1987	688	686	686	691	703	715	724	736	745	750	755	752	719
1988	753	749	753	763	771	782	795	800	806	823	828	818	787
1989	813	813	818	823	833	838	848	858	868	868	868	863	843
1990	858	863	873	887	897	912	932	937	942	961	976	981	918
1991	996	996	991	996	1006	1030	1055	1070	1090	1099	1109	1109	1046
1992	1124	1129	1129	1139	1154	1163	1193	1193	1198	1203	1203	1198	1167
1993	1188	1193	1198	1208	1213	1233	1247	1262	1277	1292	1306	1302	1243
1994	1297	1306	1316	1326	1341	1366	1385	1400	1420	1425	1485	1425	1370
1995	1425	1435	1444	1454	1479	1509	1543	1553	1563	1573	1583	1563	1510
1996	1553	1558	1573	1597	1617	1642	1671	1691	1696	1706	1721	1725	1598
1997	1725	1725	1730	1745	1736	1750	1765	1770	1780	1799	1804	1834	1761
1998	1893	1883	1873	1888	1918	1967	2026	2036	2071	2135	2159	2116	1991
1999	2071	2046	2041	2046	2066	2071	2090	2100	2115	2154	2159	2125	2090
2000	2125	2120	2140	2159	2169	2179	2194	2184	2189	2214	2218	2199	2170
2001	2194	2184	2194	2209	2223	2253	2283	2297	2292	2307	2327	2312	2256
2002	2302	2297	2307	2312	2327	2347	2371	2386	2391	2401	2411	2386	2353

ALL INDIA CONSUMER PRICE INDEX (BASE - 1982 = 100)

MONTH	1989	1990	1991	1992	1993	1994	1995	1996	1997	1998	1999	2000	2001	2002		
January	165	174	202	228	241	263	289	315	350	384	420	431	445	467		
February	165	175	202	229	243	265	291	316	350	382	415	430	443	466		
March	166	177	201	229	243	267	293	319	351	380	414	434	445	468		
April	167	180	202	231	245	269	295	324	354	383	415	438	448	469		
May	169	182	204	234	246	272	300	328	352	389	419	440	451	472		
June	170	185	209	236	250	277	306	333	355	399	420	442	457	476		
July	172	189	214	242	253	281	313	339	358	411	424	445	463	481		
August	174	190	217	241	256	284	315	343	359	413	426	443	466	484		
September	176	191	221	243	259	288	317	344	361	420	429	444	465	485		
October	176	195	223	244	262	289	319	346	356	433	437	449	468	487		
November	176	198	225	244	265	291	321	349	366	438	438	450	472	489		
December	175	199	225	243	264	289	317	350	372	429	431	446	469	484		
Average	171	185	212	237	253	278	306	334	341	405	424	441	458	477		

श्रमिकाणां राष्ट्रभक्तिः राष्ट्रस्योद्योगशालिता।
उद्योगे श्रम - स्वामित्वं एतत्सर्वार्थ साधनम्।।
(शुक्रनीति)

हमारे कृषि-प्रधान देश में आर्थिक सामाजिक संरचना की सफलता के लिए श्रम-बचाऊ यत्रों की नही अपितु श्रम-खपाऊ योजनाओं की आवश्यकता हैं।

क्यो कि-

किसी भी देश की पूँजी श्रम ही होती है। श्रम और श्रमिकों के स्थान पर सोने-चाँदी को महत्व देना या चाँदी के लालच में श्रमिकों की उपेक्षा करना, सोने का अण्डा देने वाली मुर्गी को हलाल करने के समान है।

राष्ट्रीयता यदि ठीक है तो सब व्यवस्था ठीक गिनी जावेगी और राष्ट्रीयता के विपरीत कार्य हुआ तो श्रेष्ठ व्यवस्था भी गलत सिद्ध होगी। जो लोग राष्ट्रीयता का मखौल उड़ाकर राष्ट्र के बिचारों को तिलांजलि देकर विभिन्न प्रकार के वादों के नारों में उलझते हैं, वास्तव में वे भूल करते हैं। उनके हाथ से कोई अच्छा कार्य नहीं हो सकता। समाजवाद, पूँजीवाद, प्रजातंत्र अथवा अन्य कोई भी वाद अधिक से अधिक एक रास्ता है, प्रगति का आधार नहीं। व्यक्तिगत, दलगत या वादगत कोई विचार लेकर चलने से प्रगति नही हो सकती। राष्ट्र का विचार लेकर आगे बढ़े तो एक और एक मिलकर दो नहीं ग्यारह होते हैं। इस आधार पर संगठन करते जावें जो एक-एक होकर एक हजार एक सौ ग्यारह हो जाते हैं। राष्ट्रीयता छोड़ी तो दशमलव लग जाता हैं।

पं० दीनदयाल उपाध्याय